

5

No 11

जैमिनी पत्रिका  
भोजपुरी साहित्य

# रविवासरय

3(10)

## नौकरी ने नारी को परतंत्र बनाया

की फरमाइश नहीं करेंगे। और क्यों नहीं करेंगे, उनका तो हक बनता है। हां, इस काम में पति महोदय का रसोई में आपकी मदद करना उनका फर्ज नहीं बनता है और न ही आप उन पर जोर डाल सकती हैं। बच्चों के स्कूल में अभिभावक दिवस पर उनके स्कूल में जा कर अध्यापकों से बात करना एकमात्र मां के दायित्व क्षेत्र में आता है। पिता क्यों करें। उनके दफ्तर में काम ज्यादा है। बच्चों का होमवर्क कराना, उनके लिए माडल तैयार करना, चार्ट तैयार करना, किताबों पर कवर चढ़ाना, यह सब स्त्रियों का क्षेत्र है, पुरुषों का यह काम करना, उनकी इज्जत के खिलाफ समझा जाएगा।

यह भी ध्यान में रखिए कि आपके पतिदेव को सिर्फ और सिर्फ हाथ से बुने स्वेटर ही पसंद हैं। रेडीमेड स्वेटर उन्हें अच्छे नहीं लगते हैं इसलिए ऊन ले लाइए

और बस के सफर के दौरान समय का सदुपयोग स्वेटर बुनने से करिए। बस के सफर का आधा-पौन घंटा क्यों व्यर्थ किया जाए। दफ्तर के लंच टाइम में आप लंच तो पांच दस मिनट में कर लेती होंगी तो बाकी के समय में थोड़ा बुनाई ही कर लिया कीजिए। इस पर मुद्दा यह कि स्वेटर साधारण नहीं वरन् अच्छे डिजाइन वाला होना चाहिए। मि. वर्मा की बीवी वाले डिजाइन से शानदार।

रविवार को छुट्टी होती है। पति महोदय दफ्तर नहीं जाते, सुबह नौ बजे उठते हैं। बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं देर से उठते हैं लेकिन नहीं नहीं भूल मत करिए, यह छुट्टी आपके लिए नहीं है। आप को रोज की तरह सुबह ही उठना है, क्योंकि परिवार वालों का इतवार के दिन स्वादिष्ट नाश्ता करने का मन होता है। रोज की तरह सैंडविच नहीं पूरी छोले खाने का दिन तो

रविवार ही है। निपटाने हैं। फर्ज तो फिर आप पाठको, आप नौकरी पेशा महिला नहीं। आखिर फिर क्यों घोखे में रखें के समान अधि-दफ्तर में काम करती हो, जिस क्या वास्तव में, स्त्रियों को उनके से सोचा जाए तो से तो घर बैठने है। उसे घर बैठे मुहैया हो जाते की तरह नहीं स डी.ए. की बात आज भी है

## मायके चली जाऊंगी

में लड़की का दाम्पत्य नहीं होता, या लड़की ससुराल नहीं जाना चाहती कारण देहेज या लड़की ही नहीं होता इसके अन्य हैं कितने ही परिवारों में और कार्य में निपुण होने के उसे प्रतिष्ठा नहीं मिलती, उसे को व्यवस्थित नहीं कर द्वारा उपेक्षित की जाती है। मां में ऋतु है जो अपने पति मायके में रह रही है। कारण कभी ऋतु की मां सुरेखा मिली थीं। जब राधा के घर जा ने कहा यदि मुझे लड़की अपने बच्चों की एक करके कर लेंगे। बात सही लड़की हुई और बात पक्की सुरेखा राधा के पति एक एक सुरेखा राधा से कटी-कटी कर दिया। वह आई. ए.

में उसके उठने-बैठने व चलने में घर के लोग उसकी पढ़ाई का ताना दे-देकर, उसके प्रति खराब व्यवहार करते हैं। इससे लड़की ससुराल में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाती और रोज रोज के तानों से घबड़ा कर मायके में रहना चाहती है।

कभी-कभी कुछ माता-पिता दामाद को घर जमाई बनाने की सोचकर अपने से कम पैसे वाले परिवार के लड़के से अपनी बेटी की शादी कर देते हैं लेकिन जब वह लड़का घर जमाई बनने से इंकार कर देता है और बहू को पति के साथ ससुराल में ही रहना पड़ता है तो ऐसी लड़की भी ससुराल में काफी लड़ती-झगड़ती है। पति से अलग रहने को कहती है लेकिन जब उसकी नहीं चलती तब वह मायके आकर फिर नहीं जाना चाहती।

इस प्रकार के किस्से रोज ही देखने सुनने को मिलते हैं फिर भी लोग इसमें सीखने की बजाए उसी गलती को बार बार दोहराते चले जाते हैं। इसमें लड़के व लड़की के माता-पिता का दोष है लेकिन अधिक दोष लड़की के माता-पिता का है जो कि अधिक दौलत के ध्यान में लड़की के लिए मानसिक सुख का ध्यान नहीं रखते।





(No 1) (2011)

[illegible]

Nov



कथिभुम्वेवहृष्टिजवम्वहृष्टि, उकिम्ववम्वः भुजपुडिप  
 मनेभुयएनभलनभानलन... यः कः भुमभुपुडिपमयति  
 भुजभउपगउमनउउपमभुज नमभुपुडिः भुयनविपुप  
 उउननउउउपपउः उषादि। भुययपुउउउउपुयनवि  
 पिः मकलभुवेरभुयन कउउउउउपुयनभवेवमः भुयए  
 नवमउपउवभयपिडिभययडि। निगउकभुयननउपपउउ  
 ममवेमः विपिभउनभय निमपउवम्वः कः उउविपिः  
 भुयएनवमउविपननउवम्वममभुपुभउविपउ, यषा  
 पिनेउउपुयउभनकभउडि विपिः भुपुभुयएनवम्व  
 विपउ, भुपिनेउभनभुनवयमिडि, यउउकभुपुकाउउ  
 भुपुउउउम्वमपुभउविपउ, यषाभुयपुयमिडि  
 उउभभुपिनेउपुयमिडिनभुपुभुमेम्वम्वमिभ  
 उविपनमपुभेभनवयमिडि यउउकभुभुपुउउविमिभु  
 विपउ, उमउ, नमभउनमिभु उडि। मिभुउपमिभु उउउः  
 यषाभेभनयएउउउभेभयगयेः भुपुउउभविमिभुयग  
 विपनभेभवउयगनेभुनवयमिडिनमठयविपनवउउ  
 मः विमिभुमेकउउ विमिभुविपमभउउलन, यषा  
 भेभपमनभउउलनभेभवउडि, नदिभउउलन विन  
 भेभभुयः भवउडि, यमिउवउभयगयेरेकउभुभवन  
 यकउउववयः भेभयगनेभुनवयमिडि उउउकयवि  
 पनवउउमः भेभभुयगवउलनवनकउउभुपुयप  
 डिभु, यगउउउपपडिभुयगभुयउपपडिभुयउवम्व  
 कलनवनयः भभनपुपउउयगनकउकउय  
 निउउउठिपपउभुभेभभुयकउउवयउपपडिभु  
 भुउ, यमिमवेयपिकउउनयः उउनउवभुगनभेभ  
 भिउयः भभनपुपउउउयवम्व कलनवनकउउ  
 उनविउभुयगभुभेभभुयकउवनयउपपडिभुभ  
 भउउपउउ, नमभुपुडिः भुभुयपउः नकियगभु  
 भेभभउउभुभुभेभवउडि वीकिभुयउउवयगनभे  
 भेभभुमिडिभुभुयगनउउभुभनउवभेभकिभुभु  
 एननीयभुभेभववीकिभुभुयगभुभेभभउउकलन  
 वनयभेभभुयकउउनयवभुभुयकउउभुभुयकउउ

७



एतयिठं मभजः, पूरै लुने जीति वाञ्छ विस्मिउ मे भन उभ  
 ठभीठवडा मुउम, भुसुय पडा नयग भुमभउठ मिडि।  
 नयगन मभठवये मिडु वयः मठवडि क२ हुन पा भुउभ  
 मेमभुभा पुठन वय नय पडुसु मभ मे भन यम ठवये मिडु  
 वयः उइय सुपि मे भभुय गजडा जयग निच डिउ, भुमव भुये  
 एन लहु उडि नम, भुसुय पडि उ पिका हुन प भुउभ मेम  
 भुभा पुठन वय नय पडिः क२ हुन व वय डा उषा भुभुभुठ  
 सुवुन क२ हुन विउ भुय ग भुभा पुठन वय नय पडि भु  
 व उषव, नउय एउ उइय ग भुन क२ हुन न पिभा पुठन प  
 नि डिः उइय मक डी य सुठ वडा किनु ठ वन यं य ग भभु  
 भउ पूडी य डे, य ग भुम ठ वन भवतुः क२ हुन भ पुठन मभ  
 ठवडि उइ क२ हुन मभ मय रु ल भवतुः भ पुठन मभ मय गु  
 भवतुः भुभु मिडि मेडा भव य सु पिठ वन यं य ग भुम भु  
 नुभ उ पूडी य डे उषा पि क२ हुन प भु, डिम य न भ पुठन प  
 भु डिः मठवडि विमै उ उ मव सुं य ग न भुन ठ वय मिडि क२  
 हुन वये म डि प सु मे भन य ग ठ वय मिडि भ पुठन वये  
 वग, व सु उ सु व डे ठ मः नम पू डे य ठि डि उ ठ वन भु उ य य ग  
 भु उ प भउ भ व डी डि य उ व डे क२ क२ भव क्रिय वय डा उ  
 डि सु मे भभु न भ भ न ठि क२ ए न व य ठि क२ ए न व वयः  
 मभुव डि, नउ य ए उ इ उ प डे य कि डि उ ठ वन यः क२  
 क२ यो य म य गः क२ हुन व डि उ व डि क उ व डे क२ यो  
 मे भभु डि क उ व डे हुन ठ वन य भव व ये सु ठ डे भ डु ज न क  
 ये डि मे व मे भन डि डी य य क२ हुन व मिडु मे भभु डि क  
 उ व डे ठि ठ न डा, उइ य मी डि क उ व डे हुन क ये मे उ उ  
 उ व मे भभ प म व पू डि उ मे भ डु ज न क पु हुन य क ल  
 न डि हु य डा म भव मे व भु य म मे न मिडु ठि क२ हुन भु  
 ए उ वि डि ठि डु य ये नु भु डे य म व न क डि मे डा उषा पि मे  
 भभु डि क उ व डे हुन वय नय पडिः भि सु भु व भुन उ डि क उ  
 उ ठ ठ व डा क्रिय य ए व डि क उ व डे हुन भु भु के व न भु  
 डा म उ ठ व डि क उ व डे हुन व सु भु भु क२ क२ ए न  
 य म कः न व भु ग क्रिय य म क उ व डे प क न यि डे डा पु



इत्येकं चरुवैतु सुतिप्रकृतं त्रियऽडि उमृवृक्षमः किं  
 भेभनयल्लेडिफियागमेडुडिवकननिकरवकं इतिभुमे  
 नभनकभेयल्लेडिभुमिकरवकं उडुडिवकं मनेडि  
 कुरुडु कंकाऽभुविमेधकं कं कुरुडुडिउनेडिकुरुडु  
 कंकायाविभभुभनडुनडु उडिमुं भेभभुनेडिकुरुडुडुन  
 रुवनयभनयऽभुमिभुविणववयनपपडुवमुभ  
 उडुनकं वाडुडि नविवभपि भेभनयल्लेडुनविमिभु  
 विणवनेगं गुरुडुभडुनकं पाडासु किनु म्यासुने  
 डीडिवडुगुभभडुविणवभमुविठिमडुनु भेभभडुय  
 धरुः भचडुपुडुभेवमुसुयभयभनयभनयविठिमडु  
 पभनयऽभुमिभुउडुवकं डेडि नमयगभुभुडुडु  
 उडुमुमेभभविणवभमिडिवमुं इतिभुभनभनकभेय  
 ल्लेडुनयगभुभुडुडुनमभुमिकरविठिउनेडुडि  
 विठिउमिडिवमुं उडुमयल्लेडुपमुकभडुडिवरुकेभेव  
 रुयविठिउपपडुनपवमेभनयल्लेडुनभडुनकं  
 यमिडुडुविमिभुविणवभुडुवयनपपडुभडुन  
 नकं भुडु इतिभुभनभनकभेयल्लेडुडुडुयगवि  
 णवकमभडुनकं नडुवडुभुमिभुडु इतिभुभनय  
 नभनकभेयमिडिभभनपिकरुडुनेवनभभभुवयडु  
 नपिभेभनयल्लेडुडुयगेमुमेभभविणवडुभनयगं  
 रुवयेमिडि नडुववभेभुभुभडुनकं मुडुपवेडु  
 विणववडुवभेवयगः कःमिभुडुडुभीपेडुडुय  
 उभुमिभुडुनभभुडुडुमुडुविमिभुविणविवगुं वि  
 णवभुभुवभडुनकं उडिमडुभेवगुं वयनपप  
 डुमिभुडुनकं डीडियडुयमभरुवयगं उडु  
 मुकः डुनयभुभुवयनपपडुभभुडुडुगुं  
 विणवभनभडुमुकः डुनयभभरुवडुनडिभ  
 डुडुडुडुभभुडुडुयडुडुमकडुडुय  
 डुवडु कं नुडुडुडुमं गुरुविठिडुडुनेभ  
 डुकं कयं भभुडुकं नयगं वमिडुडुडुभु  
 भेभवयमिडि नमयभभुनियभेभनयगं उडुभु

9



[illegible]



32+

0 Sharada Manuscripts at Rashtriya Sanskrit Sansthan Lucknow, Digitized by eGangotri















गमुभापन निमामु... पूरुचुते उरु पनमिमुयेगः केव  
 हायुंरुलभुद्रमयडि। उरु केयेग डहा रु॥ ॥ येगमि  
 उरु डिनिगेयः॥ ७ ॥ मिउमु निमलभउपयि॥ भउपय  
 यवउयेग निम, पयि॥ भउथा भुभां निगेयवकिउय  
 पयि॥ डि विमु रमभउयउय पयिनेभपयि॥ भन  
 मुका रल लयेयेग डहा मयउ ममनिगेयः भचाभा  
 मिउरुभीन भचपुलि न धमी करुमिउमुं मिमु  
 भाव विमुव डि॥ ॥ डमुकिपुं भमं विमि  
 पुमेका पुनिकमुमिडिमिउमुभयः॥ ७ ॥ मिउमु  
 चमु विमभा डहाः डकिपुं एभा उमुका मकि  
 उरुकिमुपउयभा यमुः म विमयुमुवकिउ  
 भुमत्रिकिउभवा रभा पूरिउउमुममवमउरुनव  
 भीनं, भमउभमउमुका डहा रुडविमगुभग यव  
 एमिडि चिरुमिउहभुव नियउउमुममवगभाभी  
 नभा, विमिपुं भउमुमुका डहा रुडविमगुभग यव  
 यमवगभा॥ एउमुउरुव डि॥ रभा भूव डिउपउभ  
 मायग पका उरिउभा भउनभायभयं मिउरुव डि।  
 एउ भिमुमिउवभुनभभा एवपयेगिहा एक  
 निरुमुउयमुहमभउमुका डहा रुडविमगुभग यव  
 एवपयेग रुण्डे। भउमिउभउमुभउयुभठिभयः  
 मुयेगपि रभा भुममे रउरुयउमु डिउरुभाभः भ  
 यमभभा मने यवत्र भूव डिमुमिउउवनेय डिउमे  
 रुउरुमयिउमिडिमुये हउयनु ममनं भउमुहं उ  
 मुपमु रममनं॥ ॥ यउउमुउमु उरुमुभी  
 येगपयेगिहा विडि॥ ८ ॥ अनयेमुये रका पुनिकमु  
 चमुमिकयेदा मिउमुका रउउयः पयि॥ भः भय  
 गउ किमुउरुव डि॥ एक गउयं उरुचिउनिगे  
 यः निगेयमभचाभां मिउवउीनं ममं रग वि

1



भूलयः ५३ उये गेव कुमुदे गमुं भंठवः ॥ ५३ मनी मिडु कडि  
 निरिपथम निहा ॥ ५३ उ कभः पूषममिडु पमं वाममु ॥ ॥  
 उमकुमुः सुडु पवमु नम ॥ ५ ॥ सुमुः पुरुषमु उमिक  
 ले सुडु पमिडु इवमु य भवमु नं मिडिडु वडि मु  
 यमः ॥ ५३ उ विवकुमु ॥ ५३ उ मिडु मु भठव ५३ उ डि  
 भन निवडि ५३ उ मु पवि ५३ भय वमु वडु नः सुडु पवु क  
 नं मिडिडु वडि ॥ ५३ उ नम य ५३ उ मिडु पमिडु क ॥ ॥  
 कडि ममु मु मिडु ॥ ॥ ५३ उ ये ग ५३ उ मिडु ले  
 कडु ये वकु भ ५३ ले ५३ मुकिः ममु मुं मु पडु भ ५३  
 यमः ॥ यमु सु कडु यः ५३ यमु सु मु मु किः ५३ मु  
 वडि उ ममु पाव भवमु उ ववकु डि भु नमः ५३ वय  
 मिडु कण्डु य पवि ५३ मिडि ममु मु मिडु य पडि मु न  
 रुवडि ॥ यमि सु वि य कडि मु ५३ विधय कण्डु य ५३  
 पुरुष मु कण्डु य पवि ५३ उ य म ५३ ल उ म ५३  
 ल कमु सु ल विव ५३ डि क ५३ ५३ उ वडि पमं वामु उ  
 म ५३ ॥ कडु यः पडु उ यः निमु निमु ॥ १ ॥ कडु  
 यमिडु मु पवि ५३ भवि ममः कडि ममु य ल क ५३  
 वय विनेय वय वकु उ कडु य मु य य ५३ य ५३ उ यः  
 ५३ उ कं रुवडि ५३ कडु यः कडु मुः निमु निमुः ले  
 म चकु भ ५३ ले ५३ म ५३ उः निमुः ५३ डि पमी उ  
 मु निमुः ५३ व पडु कडु यः ५३ उ मिडु वामु य ॥ ॥  
 पूम ५३ विधय विकल् निमु ममु यः ॥ ३ ॥ उ मं  
 मु मल ५३ म ५३ ॥ ५३ उ म न ग मः पूम  
 ५३ नि ५३ उ मिडु मु म ५३ नं म मु क ग निडु  
 प ५३ न व वग उ उ ५३ म ५३ म म मु मु य म ५३  
 उ ५३ पूम ५३ ले ५३ उ विमं व वि वि नं पूम ५३ मि  
 डि ५३ य मु ५३ व मु प ग ग मिडु मु उ मि य म  
 म ५३ विमं व मु नं ५३ विमं व प ग ५३ पूम न कडिः ५३



[illegible]



उहं प्रकमप्रवृत्तिनियमननुपांमिद्वयतीनंयदु  
 डिन् नंमनिर्गेषः किमत्रैवति, उभाविनिवृत्तु  
 रकुठिनिवेसानंभुत्तुपययश्चकुरं एवमिडिमि  
 छुत्तिउपुययवभुत्तु उइविभयमधमजनएनवेग  
 पुत्तुउत्तुभापभद्वहउत्तुहंमनमभापएनकमात्तुपु  
 डयप्रवृत्तमजनसुत्तु एत्तुत्तुदभद्वहउत्तुउत्तुहं  
 रुवडिमिडनिर्गेषः। एहंमंहापुत्तुभाह॥ ॥उत्तु  
 भुत्तुयत्तुहमः॥०५॥वृत्तिगतिउत्तुमिडमंभुत्तुप  
 निधुःपति॥मःभुत्तिःउत्तुयत्तुउत्तुहःपुत्तुःप  
 नभुत्तुनमंमिनिवेसनभहमडुत्तु॥एत्तुव  
 विमंभभाह॥ ॥मत्तुमीत्तुकलएत्तुत्तुदभद्वह  
 उमंविउत्तुत्तुमिः॥०५॥वृत्तकलएत्तुत्तुदभद्वह  
 डिमयेनमंभभा नंत्तुत्तुमिः भुत्तिरुवडिमात्तुयभ  
 वत्तुउत्तुः॥वेगपुत्तुत्तुभाह॥ ॥रुत्तुत्तुम्विक  
 विभयविद्वत्तुम्विकमंभुत्तुवंगुभा॥०६॥मि  
 विगेविभयेत्तुत्तुत्तुम्विकमंभुत्तुदभद्वहभनः  
 मत्तुमिः एत्तुत्तुत्तुवंगुभा नंम्विकः एत्तुत्तुयत्तुपु  
 भापामिडुत्तुम्विकः उइत्तुगिः एत्तुत्तुम्विकः उयेत्तु  
 येगपिविभयपत्तुत्तुमि॥म्विकमंभुत्तुत्तुमिगत्तु  
 गत्तुम्विकमंभुत्तुमंभुत्तुवंगुभा नंमंभुत्तुवंगुभा  
 डियेयविभयभुत्तुगत्तुम्विक॥उत्तुवविमंभभाह॥ ॥  
 उइत्तुप्रकमात्तुत्तुत्तुवंगुभा॥०७॥उत्तुगत्तुपत्तु  
 रुत्तुपुत्तुमंभुत्तुगत्तुवम्विकविभयम्विकयंगुत्तुवि  
 भयउत्तुत्तुपुत्तुप्रकमविवेकात्तुत्तुवंगुवडिनिर्ग  
 एमभापयत्तुत्तुत्तुलत्तुत्तुएत्तुयंगुत्तुपुत्तु  
 मंभुत्तुत्तुमंभुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु  
 गत्तुत्तुमिडुत्तुगत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु  
 मंभुत्तुत्तुमयविभयपत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु



[illegible]



॥ ३ ॥

[illegible]



मूःयः प्रच उपाय यमु मसु सु मि प्रचकः उम सु सु मयः  
 कृमा सुपा ये येय कवे नच उभनः सं पु ल उ म भा ये क पा य उं  
 पू डि प ह उ उ र सु सु ये ग वि ध य म उ मः पु म नः वी द भु कः  
 मू डि क उ क उ म भु मे धः म भा णि उ क ग उ पु ल ल उ व पु  
 वि न कः उ र सु सु व उं वी द ए य उ ये ग वि ध य उ क क न उ  
 व डि म क क म म ग म उ म भु मि धु म डि म प ए य उ उ म  
 १० म उः म भा णी य उ म भा णि उ मि उ म क ह म